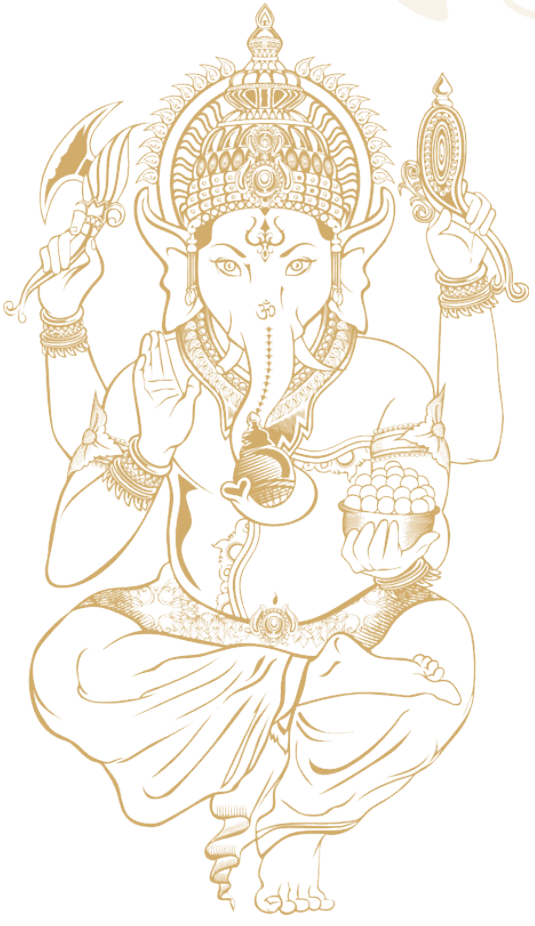

Amol bokade

14 Feb 2001

08:47 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121317109

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/02/2001**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**08:47:00 घंटे**
इष्ट	04:25:50 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:25:52 घंटे
वेलान्तर	-00:14:13 घंटे
साम्पातिक काल	18:02:44 घंटे
सूर्योदय	07:00:39 घंटे
सूर्यास्त	18:10:20 घंटे
दिनमान	11:09:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	01:37:24 कुम्भ
लग्न के अंश	07:06:14 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वृद्धि
करण	बव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ता-तरुण
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	07:06:14	515:30:12	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
सूर्य			कुंभ	01:37:24	01:00:37	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	19:42:05	13:05:34	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	सम राशि
मंगल			वृश्चि	05:45:50	00:31:33	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	स्वराशि
बुध	व	अ	मक	29:10:30	01:09:46	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	सम राशि
गुरु			वृष	07:58:39	00:03:55	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	14:59:33	00:41:11	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	उच्च राशि
शनि			वृष	00:34:14	00:02:14	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	20:50:50	00:01:43	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	20:50:50	00:01:43	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
हर्ष			मक	27:13:01	00:03:28	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप			मक	13:06:07	00:02:11	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	21:07:21	00:01:04	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	06:45:22	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:06

लग्न-चलित

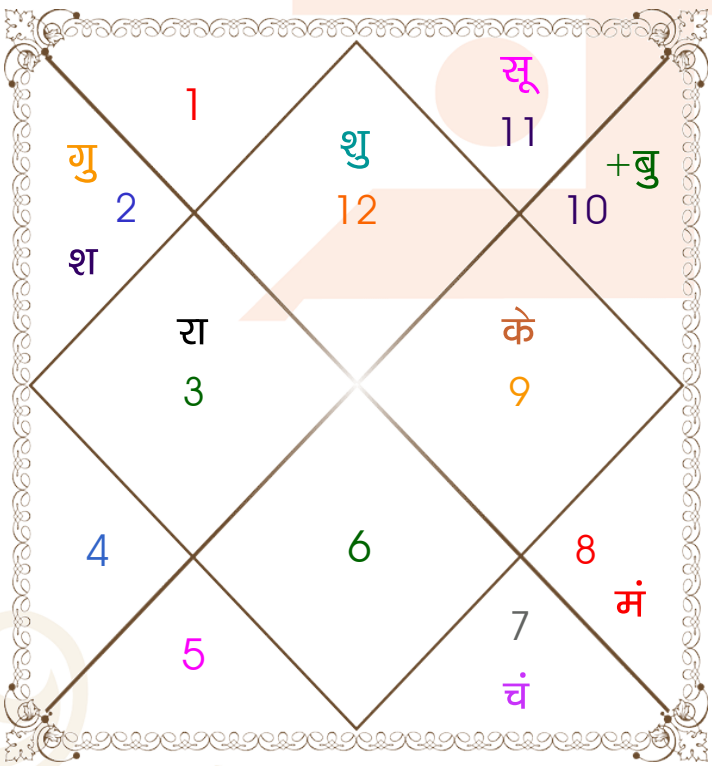

चन्द्र कुंडली

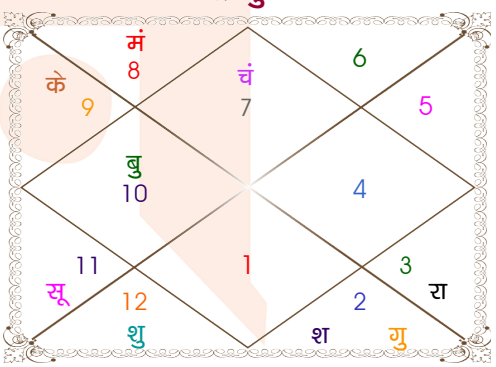

नवमांश कुंडली

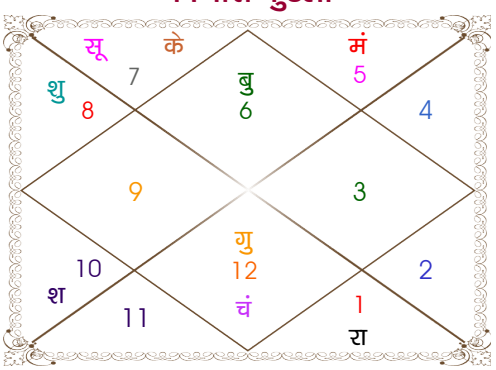

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 0 वर्ष 4 मास 25 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
14/02/2001		11/07/2001		11/07/2017		11/07/2036		11/07/2053	
11/07/2001		11/07/2017		11/07/2036		11/07/2053		11/07/2060	
00/00/0000	गुरु	29/08/2003	शनि	14/07/2020	बुध	07/12/2038	केतु	07/12/2053	
00/00/0000	शनि	12/03/2006	बुध	24/03/2023	केतु	05/12/2039	शुक्र	06/02/2055	
00/00/0000	बुध	16/06/2008	केतु	02/05/2024	शुक्र	05/10/2042	सूर्य	14/06/2055	
00/00/0000	केतु	23/05/2009	शुक्र	02/07/2027	सूर्य	11/08/2043	चंद्र	13/01/2056	
00/00/0000	शुक्र	22/01/2012	सूर्य	13/06/2028	चंद्र	09/01/2045	मंगल	10/06/2056	
00/00/0000	सूर्य	10/11/2012	चंद्र	13/01/2030	मंगल	07/01/2046	राहु	29/06/2057	
00/00/0000	चंद्र	12/03/2014	मंगल	22/02/2031	राहु	26/07/2048	गुरु	05/06/2058	
14/02/2001	मंगल	15/02/2015	राहु	29/12/2033	गुरु	01/11/2050	शनि	15/07/2059	
मंगल 11/07/2001	राहु	11/07/2017	गुरु	11/07/2036	शनि	11/07/2053	बुध	11/07/2060	

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
11/07/2060		11/07/2080		11/07/2086		11/07/2096		13/07/2103	
11/07/2080		11/07/2086		11/07/2096		13/07/2103		15/02/2121	
शुक्र	10/11/2063	सूर्य	28/10/2080	चंद्र	12/05/2087	मंगल	07/12/2096	राहु	25/03/2106
सूर्य	10/11/2064	चंद्र	29/04/2081	मंगल	11/12/2087	राहु	25/12/2097	गुरु	17/08/2108
चंद्र	11/07/2066	मंगल	04/09/2081	राहु	11/06/2089	गुरु	01/12/2098	शनि	24/06/2111
मंगल	10/09/2067	राहु	30/07/2082	गुरु	11/10/2090	शनि	10/01/2100	बुध	11/01/2114
राहु	10/09/2070	गुरु	18/05/2083	शनि	11/05/2092	बुध	07/01/2101	केतु	29/01/2115
गुरु	11/05/2073	शनि	29/04/2084	बुध	10/10/2093	केतु	06/06/2101	शुक्र	29/01/2118
शनि	11/07/2076	बुध	05/03/2085	केतु	11/05/2094	शुक्र	06/08/2102	सूर्य	24/12/2118
बुध	12/05/2079	केतु	11/07/2085	शुक्र	10/01/2096	सूर्य	12/12/2102	चंद्र	24/06/2120
केतु	11/07/2080	शुक्र	11/07/2086	सूर्य	11/07/2096	चंद्र	13/07/2103	मंगल	15/02/2121

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 0 वर्ष 4 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कन्या का नवमांश एवं मीन का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादिक ज्योतिषीय आकृति आपके जीवन को धन संपत्ति से युक्त आमोद-प्रमोद एवं हर्षोल्लास से परिपूर्ण आनंदमय जीवन बिताने के साधनों से युक्त करता है।

प्रायः हर दशा में ज्योतिषीय प्रभाव आपका पक्षधर है। यदि आप अपने हस्तगत कार्य व्यवसाय को समय पर सुव्यवस्थित ढंग एवं समर्पण की भावना से संपादित कर लिए तो आपका जीवन सफल होने की संभावना है, बर्शेते कि आप सकारात्मक ढंग से कार्यो का संपादन करें। फलस्वरूप यह आपके लिए उन्नति कारक होगा। इस दृष्टिकोण से यह आवश्यक है कि आप वासनात्मक प्रवृति को बहुत महत्त्व देकर इन कार्यो से संबंधित रहते है। यदि आप इस प्रवृति हेतु सतर्कता नहीं बरतें तो यह वासना आपको मिट्टी पलीत कर देगा। अर्थात् आपका विनाश कर देगा। आप इनका उन्मूलन करें अन्यथा इस उत्तेजना के कारण आपके जीवन की ललिमा नष्ट हो जाएगी तथा इस प्रवृति के कारण मात्र आपका परिवार ही अस्त-व्यस्त नहीं हो जाएगा। बल्कि यह आपको अकर्मण्य बना कर आपकें कार्य कलाप से भी दिशा हीन बना देगा। परंतु यदि आप इस प्रवृत्ति को समाप्त कर दिए तो आप बहुत अच्छी प्रकार उन्नति कर सकेंगे। आप धन संचय कर सकेंगे। इस प्रकार आप मात्र अपने उपार्जन को ही नहीं बढ़ाएंगे, बल्कि आप धन संपत्ति भी सर्वथा अर्जित करेंगे। आपमें ऐसी क्षमता है कि आप अपने प्रतिपक्षी को परास्त कर देंगे जो कि आपके कार्य-व्यवसाय को नष्ट करने का प्रयास करेगा।

आप मात्र एक सुखद एवं अभिमंत्रित भवन के स्वामी होंगे। बल्कि हर दशा में अपने मित्रों के अपना कर अपनी मित्र मंडली का विस्तार करेंगे। आप समाजिक क्लब के सदस्य होंगे। आप अपनी भद्रता एवं अतिथ्य सत्कार के कारण अपने मित्र मंडली में प्रख्यात भी होंगे। परंतु आपको कुछ समस्याओं से मुठ-भेड़ भी करना पड़ेगा। आप अन्य लोगों के लिए किसी प्रकार का कष्ट नहीं पहुंचाने वाले बल्कि अतिशय विश्वास पात्र हैं। आप किसी के भी साथ सामंजस्य एवं सकारात्मक फल प्राप्ति की उत्कंठा रखते हैं। जब आप किसी भी मित्र के साथ प्रतिज्ञा करते हैं उसे बहुत अच्छी प्रकार निभाते हैं। परंतु क्या वे इस प्रकार पीछें भी लौट सकते है। नहीं। वास्तव में संयोगवश ऐसा कुछ घटित हो जाए उस परिस्थिति में जो आपसे संबंधित है। वे लोग आपकी आवश्यकता के समय अथवा जरूरत पड़ने पर अपने कार्य को त्याग कर आपके पक्ष में अपना योगदान करते हैं। अतएव आप उन पर अत्यंत भरोसा कर के अन्यों को उपेक्षित अथवा वहिष्कृत कर देते हैं।

यदि आप सतर्कता पूर्वक मर्यादित पथ पर चलते हैं तो आपके पारिवारिक सदस्य तथा सामान्य जन आपके गुणों एवं साहसिक प्रवृति तथा दानशीलता हेतु आपकी प्रशंसा करेंगे। आप धार्मिक प्रवृति के प्राणी हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं पौढ़ावस्था में आप भक्ति के प्रदर्शन में अभिरूचि रखेंगे तथा धर्म-दर्शन एवं पराविज्ञान में दक्ष हो जाएंगे। आप इस विषय में बहुत अधिक ज्ञानार्जन कर सकते हैं। यदि आप चयन करेंगे तो कोई छोटा धर्मोपदेशक भी बन सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन गुरुवार, मंगलवार एवं रविवार का दिन उत्तम हैं। शेष साप्ताहिक तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सामान्य फलदायी है।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं विश्वसनीय अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु हर दशा में 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए रंगों में रंग पीला, लाल, गुलाबी एवं नारंगी रंग आपके लिए अनुकूल हैं। परंतु नीला रंग आपके लिए किसी भी दशा में अनुकूल नहीं है।